

बीमा सखी

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री 9 दिसंबर, 2024 को महिलाओं के लिये 'बीमा सखी' योजना का शुभारंभ करने हेतु पानीपत का दौरा करेंगे। यह ध्यान देने योग्य है कि उन्होंने 22 जनवरी 2015 को पानीपत से '[बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ](#)' अभियान की शुरुआत की थी।

मुख्य बंदि

- हरियाणा के मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा समन्वति आगामी कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का नरीक्षण करने के लिये क्षेत्र का दौरा किया।
 - इस बात पर ज़ोर दिया गया कि यह कार्यक्रम महिला सशक्तीकरण का एक दृढ़ संदेश देगा।
 - उन्होंने पानीपत में शुरू किया गए '[बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ](#)' अभियान को लाखों बालिकाओं की जान बचाने का श्रेय दिया।
- 'बीमा सखी' योजना का शुभारंभ:
 - मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री 'बीमा सखी' योजना का शुभारंभ करेंगे, जिसका उद्देश्य राज्य भर में महिलाओं को सशक्त बनाना और लाभान्वति करना है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना

- परिचय:
 - यह योजना प्रधानमंत्री द्वारा 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य [बाल लगी अनुपात](#) (CSR) में कमी लाना तथा जीवन-चक्र में महिला सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना था।
 - यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MW&CD), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MH&FW) तथा शिक्षा मंत्रालय का त्रि-मंत्रालयीय प्रयास है।
- मुख्य उद्देश्य:
 - लगी-पक्षपाती लगी-चयनात्मक उन्मूलन की रोकथाम।
 - बालिकाओं के जीवन और संरक्षण को सुनिश्चित करना।
 - बालिकाओं की शिक्षा एवं भागीदारी सुनिश्चित करना।
 - बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना।
- BBBP के अंतर्गत नवीन हस्तक्षेप: जनि नवाचारों ने लड़कियों के लिये सकारात्मक पारिस्थितिकी तंत्र/सक्षम वातावरण का निर्माण किया है, उनमें शामिल हैं:
 - गुडडी-गुडडा बोर्ड:** जन्म के आँकड़ों का सार्वजनिक प्रदर्शन (लड़कियों की संख्या बनाम लड़कों की संख्या)। उदाहरण: महाराष्ट्र के जलगाँव ज़िले में डिजिटल गुडडी-गुडडा डिसिप्ले बोर्ड लगाए गए हैं।
 - लगी आधारित रूढ़िवादिता को तोड़ना और पुत्र-केंद्रित रीति-रिवाज़ों को चुनौती देना:** बालिका के जन्म पर उत्सव मनाना, बालिका के महत्त्व पर विशेष दिनि समर्पति करना, बालिकाओं के पालन-पोषण और देखभाल के प्रतीक के रूप में **वृक्षारोपण अभियान चलाना**। उदाहरण: कूड्डालोर (तमलिनाडु), सेल्फी वदि डॉटर्स (जीद ज़िला, हरियाणा)।